

संपादकीय

कांग्रेस के लिए ओडिशा में मौका

कांग्रेस पार्टी पिछले 24 साल से ओडिशा में सत्ता से बाहर है। लोकसभा चुनाव में भी उसका वोट आधार लगातार सिमटता गया है और पिछली बार उसे साढ़े 13 फीसदी के करीब वोट मिला था। असल में 15 साल पहले बीजू जनता दल और भाजपा का तालमेल समाप्त होगा और उसके बाद दोनों अलग अलग चुनाव लड़ते हैं। इससे धीरे धीरे कांग्रेस तीसरे नंबर की पार्टी हो गई। अब फिर से बीजू और भाजपा साथ आ रहे हैं तो कांग्रेस को मौका बन रहा है कि वह अपने प्रदर्शन में सुधार करे। हालांकि कांग्रेस के केंद्रीय नेता इसके लिए पहले से तेयार नहीं थे। उनको नहीं लग रहा था कि बीजू और भाजपा में तालमेल होगा। अब कहा जा रहा है कि पार्टी ने मेहनत शुरू की है। पूर्व आईपीएस अधिकारी और झारखण्ड से सांसद रह डॉक्टर अजय कुमार ओडिशा के प्रभारी हैं और वे पार्टी को अपने पैरों पर खड़ा करने की कोशिश में लगे हैं। पिछले दिनों पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीकांत जेन की कांग्रेस में वापसी हुई है। वे तटीय ओडिशा के मजबूत नेता हैं और कटक, बैंडपाड़ा और बालाशोही तीन सीटों से लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। उससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री गिरधर गंगांग ने सपरिवार कांग्रेस में वापसी की। इससे कांग्रेस की उम्मीदें जिंदा हुई हैं और पार्टी ने नेताओं को लग रहा है कि इस बार प्रदर्शन में थोड़ा सुधार हो सकता है।

भाजपा के सहयोगियों की विंता

भारतीय जनता पार्टी ने सहयोगियों की विंता बढ़ा दी है। वह जिस तरह से एक एक सीट के लिए मोलभाव कर रही है और सभी छोटी पार्टीयों को कम सीटों पर समझौता करने के लिए मजबूर कर रही है उससे खायोगी प्रेशरण हुए हैं। पहले उत्तर प्रदेश में भाजपा ने जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लकड़ल को दो सीटों दीं और साथ ही सुहृद देव भारतीय यादव पार्टी को एक एक सीट देने का फैसला किया तो अब महाराष्ट्र से खबर आ रही है कि भाजपा वहां अजित पवार की असली एनसीपी को सिर्फ चार से पांच सीट देने वाली है। पहले एनसीपी का दावा 12 सीटों का था। बाद में कहा गया कि आठ सीटें मिलेंगी। फिर जब अमित शाह सीटों के बैटवारे पर बात करने महाराष्ट्र पहुंचे तो कहा गया कि अजित पवार को छह सीटें मिल सकती हैं। लेकिन अब खबर आ रही है कि चार सीटें देने की बात हो रही है। इसी तरह असली शिव सेना यानी मुख्यमंत्री एकनाश शिंदे गुट को आठ से 10 सीट देने की बात हो रही है सोचें, शिंदे गुट के पास 13 लोकसभा सांसद हैं। लेकिन भाजपा उनको आठ से 10 सीट का प्रस्ताव दे रही है। युद्ध भाजपा 32 से 34 सीट लड़ना चाहती है। उसका प्रस्ताव है कि शिंदे गुट के कुछ सांसदों को वह अपने चुनाव चिह्न पर लड़ा सकती है। जानकार सूत्रों का कहना है कि विहार में भी भाजपा की छोटी सहयोगी पार्टीयों विलिया रही है क्योंकि किसी को भी एक से ज्यादा सीट नहीं मिलती दिख रही है। नीतीश कुमार 15 से 16 सीट पर वीटो करके विदेश चले गए। इसका नीतीजा है कि जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा दोनों को एक एक सीट का प्रस्ताव मिल रहा है और एनडीए का दरवाजा खटखटा रहे मुकेश सहनी को भी एक सीट से ज्यादा देने की समझवाना नहीं दिख रही है। लोक जनशक्ति पार्टी को पिछली बार छह सीटें मिली थीं लेकिन इस बार उसे दोनों खेमों को मिला कर पांच सीट दिए जाने पर बाती ही रही है। सो, हर जगह भाजपा की सहयोगी पार्टीयों को समझवाना होगा। लोकसभा सीट के बदले भाजपा उनको राज्यों में कोई पद दे सकती है। विधानसभा की ज्यादा सीट दे सकती है या जहां विधान परिषेध है वहां सीट दे सकती है लेकिन लोकसभा सीट पर गुंजाइश कम है।

विशेष लेख कृषक उन्नति योजना - खेती-किसानी से खुलेंगे समृद्धि के द्वारा

चौथीसंगठ सरकार ने किसान हितेशी निर्णय लेते हुए समर्थन मूल्य में धन खरीदी के लिए प्रति एकड़ 21 विवेंटल धन खरीदी की है। साथ ही किसानों को दो साल का वकाया बोनस राशि के रूप में 3716 करोड़ की राशि सीधे उनके बैंक खातों में दी है। इसके अलावा कृषि मजदूरों को भी राहत देने के लिए परिषित दीनदयाल उपराध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना लागू करने का निर्णय लिया है। इस योजना में भूमिहीन कृषि मजदूरों को साल में 10 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। गौरतलव है कि केन्द्र सरकार के द्वारा सीधे किसानों को धन देने के बैंक खातों में दी जा रही है। केन्द्र सरकार ने छतीसगढ़ में धन के विपुल उत्पादन को देखते हुए केन्द्रीय पूल में 74 लाख मीट्रिक टन चावल जमा करने का लक्ष्य दिया है।

भाजपा का गठबंधन का सहारा

हरिशंकर व्यास उत्तर प्रदेश की अमेंटी सीट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हासने वाली भाजपा की नेता और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने चुनौती दी है कि कांग्रेस या राहुल गांधी की सपा का समर्थन लिए बौगे लड़ कर दिखाएं। सोचें, यह बात भाजपा कह रही है, जिसने विपक्षी गठबंधन के मुकाबले दिल्ली में 38 पार्टीयों को इकट्ठा किया था और दिखाया था कि उसके पास ज्यादा पार्टीयों से तालमेल कर रही है। भाजपा देश भर में खोज खोज कर छोटी बड़ी पार्टीयों से तालमेल कर रही है।

दूसरी पार्टीयों से खोज खोज कर नेता निकाल रही है और उनको भर्ती में लगा लगा कर अपनी पार्टी में शमिल करा रही है। उसके तेलांगाना पार्टीयों को चुनौती दे रहे हैं कि वे बिना गठबंधन के राजनीति करके दिखाएं। यह मौजूदा भारतीय राजनीति की विद्यमाना है।

बहरहाल, भाजपा इस बार 370 सीटें जीतने का दावा कर रही है लेकिन असल में उसका लक्ष्य 272 सीटों के जादू आंकड़े तक पहुंचने का है और इसके लिए उसके पास सिर्फ गठबंधन का सहारा है।

मध्यप्रदेश में धन खरीदी के साथ चुनाव लड़ रही है। अंद्र प्रदेश में पिछली बार उसे एक फीसदी से भी कम वोट मिले थे और पूर्व पांच साल पार्टी ने जगन मोहन रेडी के प्रति सदम्भव रखा। लेकिन अब टीटीपी और जन सेना पार्टी के साथ तालमेल किया जा रहा है ताकि खाता खुल सके। तमिलनाडु में प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी ने अन्ना डीएमके के संस्थापक एमजी रामचंद्रन की खुब तारीफ करके तालमेल का रासाय बनाने का प्रयास किया लेकिन अन्ना डीएमके के तैयार नहीं हुई। सो, तमिल नाडु कांग्रेस पार्टी के गठबंधन की जगह जानकारी और उसके समर्थन से एक निर्दलीय उम्मीदवार की जीती थीं और उसके समर्थन से तालमेल की जरुरत पड़ गई है।

वह हीन या चार सीट देकर जीतीएस के साथ चुनाव लड़ रही है। अंद्र प्रदेश में पिछली बार उसे एक फीसदी से भी कम वोट मिले थे और पूर्व पांच साल पार्टी ने जगन मोहन रेडी के प्रति सदम्भव रखा। लेकिन अब टीटीपी और जन सेना पार्टी के साथ तालमेल किया जा रहा है ताकि खाता खुल सके। तमिलनाडु में धन खरीदी के साथ चुनाव लड़ रही है।

बदायूं नहीं, संभल से चुनाव लड़ना चाहते हैं शिवपाल सिंह यादव, अरिविलैश यादव की मुश्किल बढ़ी

शिवपाल की पहली पसंद संभल बताई रही है। सपा ने संभल से शफीकुर्रहमान वर्क को टिकट दिया था, लेकिन उनका देहात हो चुका है, जिसकी वजह से यहां नये उम्मीदवार की तलाश की जा रही है। इसलिए पहले उनका वर्क बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया था और उसके बाद धर्मद्वारा वर्क को लेकर बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया था। अब फिर से बीजू और भाजपा साथ आ रहे हैं। एक बड़ा वर्क बदायूं से सांसद रहे धर्मद्वारा यादव को फिर से उम्मीदवार बनाना चाहता है, जबकि सपा के ही क्षेत्र बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है। अब फिर से उम्मीदवार बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है।

शिवपाल स्वयं चुनाव नहीं लड़ना चाह रहे थे या फिर यह पार्टी आलाकमान का फैसला है। इस पर अभी स्थिति साफ़ नहीं हो पाई है। लोकसभा चुनाव को लेकर बदायूं से सपा की सियायरा करवाया गया था और उसके बाद धर्मद्वारा यादव को लेकर बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है। अब फिर से उम्मीदवार बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है। अब फिर से उम्मीदवार बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है। अब फिर से उम्मीदवार बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है।

शिवपाल की पहली पसंद संभल बताई रही है। सपा ने संभल से शफीकुर्रहमान वर्क को टिकट दिया था, लेकिन उनका देहात हो चुका है, जिसकी वजह से यहां नये उम्मीदवार की तलाश की जा रही है। इसलिए पहले उनका वर्क बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है। अब फिर से उम्मीदवार बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है। अब फिर से उम्मीदवार बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है। अब फिर से उम्मीदवार बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है।

शिवपाल स्वयं चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं और उनका देहात हो चुका है, जिसकी वजह से यहां नये उम्मीदवार की तलाश की जा रही है। इसलिए पहले उनका वर्क बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है। अब फिर से उम्मीदवार बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है। अब फिर से उम्मीदवार बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है। अब फिर से उम्मीदवार बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है। अब फिर से उम्मीदवार बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है। अब फिर से उम्मीदवार बदायूं पर सपा के सियायरा करवाया गया है।

मोदी पर निजी हमला कर विपक्ष ने चुनावों से पहले खुद के पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है

201

बावस आफिस पर शैतान का जलवा, आटिंकल 370 की धांसू कमाई जारी

दर्शकों का मनोरंजन के लिए इस समय सिनेमाघरों में अलग-अलग शैलियों की फिल्में लगाए हुई हैं। ऐस्थान से लेकर हॉरर फिल्में तक मार्च के महीने में बड़े पर्दे पर प्रदर्शित हो रही हैं। इस शुक्रवार रिलीज हुई आर माधवन और अजय देवगन की फिल्म शैतान शानदार कमाई कर रही है। वहीं आटिंकल 370 की भी लोगों को टीवर्स तक खिंचने में अभी कमायी हासिल कर रही है। आइए जानते हैं कि शैतान को किस फिल्म ने कितनी कमाई की है। फिल्म शैतान का इंतजार लोगों को लंबे समय से था। इस फिल्म के ट्रेलर रिलीज के बाद लोगों की अपेक्षा

इससे काफी ज्यादा बढ़ गई है। विकास बहल के निर्देशन में बनी यह फिल्म टिकट खिड़की पर अच्छी कमाई कर रही है। ओपनिंग डे पर फिल्म ने 15.21 करोड़ का कलेक्शन किया था। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई सात करोड़ 55 लाख रुपये हो गई है। यामी गौतम अभिनीत फिल्म आटिंकल 370 का दबदबा अब भी बॉक्स ऑफिस पर देखने को मिल रहा है। फिल्म की पीपड़ अब भी बरकरार है। 16वें दिन फिल्म ने दो करोड़ 65 लाख रुपये की कमाई की। अब फिल्म का कुल कलेक्शन 62.20 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 82.85 करोड़ रुपये हो गई है। शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में अतिंकल के बाद लोगों की अपेक्षा



ऐसा उलझा जिया बॉक्स ऑफिस पर शैतान रफ्तार से आगे बढ़ रही है। इस फैमिली एटरटेनर को लोगों से मिश्रित प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म ने 30वें दिन 60 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 82.85 करोड़ रुपये हो गई है। शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में अतिंकल के बाद लोगों की अपेक्षा

द रेलवे मैन ने रचा इतिहास, बनी नेटपिलवस की अब तक की सबसे सफल भारतीय सीरीज

यशराज फिल्म्स

(वाईआरएफ)

की पहली बैब

सीरीज द रेलवे मैन ने दुनियाभर

में अपना डंका बजाया और यह

दर्शकों का दिल जीतने में सफल

रही भायावह भोपाल गेस ट्रास्टी

को पर्दे पर दर्शाती रही सीरीज

रिलीज के बाद लंबे बाह्यी बटोर रही है और सितारों के

प्रदर्शन को भी सराहा जा रहा है। अब इस सीरीज ने इतिहास रच दिया है और यह नेटपिलवस की अब तक की सबसे सफल भारतीय सीरीज बनकर उभरी है। सच्ची कहानी को पेश करती द रेलवे मैन ने 18 नवंबर को नेटपिलवस पर दस्तक दी थी। इसे दुनियाभर में काफी पसंद किया गया है तो यह अब 3 महीनों बाद भी दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। दरअसल, सीरीज ने 3 महीनों से वैश्विक सूची में अपनी जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। यह वैश्विक स्तर पर तीसरा रथन हासिल करने के साथ ही भारत की नेटपिलवस पर आई सबसे सफल सीरीज बन गई है। नेटपिलवस में काफी पसंद किया गया है तो यह अब 3 महीनों बाद भी दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो



कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

किसी भी भारतीय सीरीज से ज्यादा है मॉनिका का कहाना है कि नेटपिलवस और वाईआरएफ कंपनी के कारखाने से जहरीली गैस का कार्बोड नामक कंपनी के कारखाने से जहरीली गैस का राख दिखाई दिए थे मध्य प्रदेश के भोपाल में 2 दिसंबर, 1984 की देर रात को लापरवाही के चलते यूनियन कार्बोड कंपनी के कारखाने से जहरीली गैस निकली और हवा में धूल गई थी। इस जहरीली गैस के चलते ही 15 हजार से अधिक लोगों ने जान गवाई थी।

किसी भी भारतीय सीरीज से ज्यादा है मॉनिका का कहाना है कि नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो

कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटपिलवस और वाईआरएफ साथ आए थे। रेलवे मैन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। जो</p

